Rural Sociology

Sociology of India

(1)

प्रश्न (4) ग्रामीण पुनर्निर्माण में ग्राम पंचायतों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

उत्तर — प्राचीन काल से भारत गांवों में निवास करता आया है [redacted] विश्वास किया जाता है कि भारत की भूमि पर गांव और पंचायत ~~अस्तित्व साथ साथ उभरा~~। इस दृष्टि से भारत के लिए ग्राम पंचायत का सिद्धान्त कोई नया नहीं है। रामायण, महाभारत आदि ग्रन्थों में भी ग्राम, और ग्राम पंचायत और मुखिया जैसे शब्दों का उल्लेख आया है। इससे स्पष्ट होता है कि ग्राम पंचायत की उत्पत्ति का चाहे जो भी इतिहास रहा हो, लेकिन इतना अवश्य है कि प्राचीन भारत में शासन विकेन्द्रित था और वह ग्राम पंचायतों पर आश्रित थे। मुस्लिम काल में इसकी उपयोगिता महसूस करते हुए इसे पूर्ववत रखा गया जबकि ब्रिटिश राज्य में इसको तहस नहस कर दिया गया।

स्वतन्त्रता प्राप्ति के बाद महात्मा गाँधी ने गांवों के विकास के लिए ग्राम पंचायतों के पुनर्निर्माण पर काफी बल दिया और इनके प्रयत्नों के फलस्वरूप प्रदेशों में सन् 1947 में पंचायती-राज कानून बना। समय-समय पंचायती राज कानून में संशोधन करके इसे अधिक कारगर बनाने का प्रयत्न किया गया है।

भारत अपनी तमाम वैज्ञानिक प्रगति के बावजूद एक कृषि प्रधान देश ही है। भारत की अधिकांश जनता अपनी जीविका के लिए कृषि पर ही निर्भर है। अतः भारत की उन्नति उसके गांवों की उन्नति पर निर्भर है। इस देश का विकास केवल सरकार और सरकारी कार्यक्रम के द्वारा संभव नहीं है। इसके लिए ग्रामीण जनता की सहभागिता जरूरी है। ग्राम पंचायत न केवल गांव में स्वस्थ नेतृत्व का विकास करने का प्रयत्न करती है बल्कि इसी के माध्यम से एक ऐसी लोकतान्त्रिक व्यवस्था संभव हो पाती है जिसमें शासन का प्रवाह नीचे से ऊपर की ओर होता है। ग्राम पंचायतें ही वह माध्यम हैं जिनके द्वारा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योजनाओं के निर्माण के लिए सुझाव दिये जाते हैं तथा उन योजनाओं के कार्यान्वयन को प्रभावपूर्ण बनाया जाता है। ग्राम पंचायतें के माध्यम से गांवों का विकास और पुनर्निर्माण तेजी से हो सकता है। गांधीजी कहा था, "जब तक प्रत्येक गांव को गणराज्य के रूप में समस्त अधिकार नहीं दिया जायेगा तबतक भारत की उन्नति कदापि संभव नहीं।" देश की उन्नति में ग्राम पंचायत के सहयोग की आवश्यकता को बतलाते हुए ढेबर ने लिखा है कि "पंचायतें केवल ग्रामीण उन्नति की ही नहीं वरन् सम्पूर्ण भारत की उन्नति की धुरी हैं"। ग्राम पंचायत छोटे से छोटे प्रत्येक स्थान पर ग्रामीणों को जनतन्त्र की शिक्षा देने तथा उन्हें अपना विकास स्वयं करने का प्रशिक्षण देनेवाली महत्वपूर्ण संस्था है।